Department of political science
D.B. College Joynagar

By- Dr. A.K. YADAV
(Asst. prof. of P.Sc.)

B.A. Part-III Public Administration

Lecture-10 10/09/2020

## लोक प्रशासन विषय का विकास तथा स्थिति

लोक प्रशासन का अस्तित्व बहुत ही प्राचीन है। भले ही एक विषय के रूप में यह नवीन है। जब भी राज्य में कानून व्यवस्था की आवश्यकता महसूस हुई होगी तो लोक प्रशासन का जन्म हो गया होगा किन्तु शास्त्रीय विषय के रूप में इसके व्यवस्थित एवं विधिवत अध्ययन की शुरुआत 19 वीं शताब्दी के अन्तिम दशक में हुये। वैसे लोक प्रशासन के विभिन्न सिद्धान्त हमें प्राचीन भारत के महाग्रन्थ रामायण, महाभारत तथा विभिन्न स्मृतियों के साथ-साथ मुख्यतः कौटिल्य के अर्थशास्त्र में भी मिलते हैं। इसी प्रकार के विवेचन चीन में कन्फ्युसियस द्वारा दिये गये उपदेशों, अरस्तु की महान रचना द politics, हॉब्स की रचना लेवियाथन, मैकियावेली की रचना The prince में भी मिलते रहे हैं।

अमेरिका की प्रसिद्ध रचना "political science quarterly" में विल्सन का एक लेख "The study of Administration" नाम से 1887 में प्रकाशित हुआ जिसमें एक पृथक विषय के रूप में लोक प्रशासन को स्थापित करने पर बल दिया गया। इस तरह लोक प्रशासन की एक स्वायत्त अनुशासन के रूप में विकास की शुरुआत 1887 से मानी जाती है। लोक प्रशासन के विद्वानों ने सुविधा के दृष्टिकोण से इस अनुशासन के विकास काल को पाँच भागों में विभाजित किया है।



Scanned with CamScanner

प्रथम चरण = 1887 - 1926 - 39 वर्ष राजनीति - प्रशासन विभाजन पर बल दिया गया।

द्वितीय चरण = 1927 - 1937 - 10 वर्ष प्रशासन के सर्वश्रेष्ठ सिद्धान्तों पर जोर दिया गया

तृतीय चरण = 1938 से 1947 - 9 वर्ष प्रशासनिक व्यवहार का अध्ययन

चतुर्थ चरण = 1948 - 1970 22 वर्ष पहचान की संकट पर बल दिया गया

पंचम चरण = 1971 से वर्तमान तक - अन्तर्विषयक दृष्टिकोण पर बल दिया गया।

समाप्त



Scanned with CamScanner